

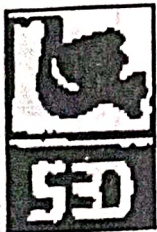
॥ श्रीजीव न्यायतीर्थ

(१८९७—१९९२)

ॐ

‘टिपिटक-चर्चणम्’ ॥

स्वामिनी चट्टोपाध्याय
सौम्यजिङ्ग सेन



संस्कृत बुक डिपो

२८/१, विधान सरणी

कलकता-९०० ००६

॥ सूचीपत्र ॥

विषय	पृष्ठा
●● उत्सर्ग	(छ)
●● श्रीजीव-प्रशस्तिः	(ट)
●● कृतज्ञता-स्वीकार	(ड)
●● संकेत-सूची	(ट)
●● प्राग्भाष	(ण)
●● प्रथम पर्व	१—७१
क) श्रीजीव न्यायतीर्थ : व्यक्तिजीवन	७—८
ख) श्रीजीव न्यायतीर्थ : सारस्वत कृति	९—१०
ग) श्रव्य काव्य	११—१८
घ) दृश्य काव्य	१८—४७
ङ) प्रबन्ध, रम्य-रचना, अनुवाद प्रभृति	४७—५७
च) उपसंहार	५७—५८
छ) प्रसन्न-कथा	५९—७०
ज) श्रीजीव व्यवहृत बाग्धारा	७१
●● द्वितीय पर्व	७७—१२२
क) 'चिपिटक-चवर्णम्' : मूल संस्कृत	७५—८४
ख) 'चिपिटक-चवर्णम्' : बङ्गानुवाद	८५—१०१
ग) 'चिपिटक-चवर्णम्' : समीक्षा (संस्कृते)	१०७—१२२
●● श्रीजीव न्यायतीर्थेर वंशपञ्जी	१२७
●● चित्र-परिचिती	१२५—१७१
●● निर्वाचित ग्रन्थपञ्जी	१७७—१७७